

---

# Shri Jagannatha Gitamritam

---

## श्रीजगन्नाथगीतामृतम्

---

### Document Information

---

Text title : Jagannatha Gitamritam 4

File name : jagannAthagItAmRRitam4.itx

Category : vishhnu, pradIptakumArananda, krishna, sanskritgeet

Location : doc\_vishhnu

Author : (Copyright) Pradipta Kumar Nanda, Kendrapara, Orissa pknanda65 at gmail.com

Acknowledge-Permission: (Copyright) Pradipta Kumar Nanda

Latest update : December 2, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीजगन्नाथगीतामृतम्



एहि मुरारे कुञ्जविहारे एहि प्रणतजनबन्धो ।  
हे मधुसूदन मूरलीमोहन माधव करुणासिन्धो ॥ ध्रुवपदम् ॥

समुद्रतीरे पुरीमन्दिरे  
रासलीला-धुरन्धर  
ब्रह्मदारु-सुमधुर ।

दर्शनं प्रयाचे जय जगन्नाथ अहो कृष्ण मनोहर ॥ १ ॥

वेणुनिनादं कामयामि मोदं  
कर्णयोः मे श्रुतिधर  
एहि प्रेमवारिधर ।

श्रीपुरुषोत्तम पानीयमिच्छामि तृष्णा मम परिहर ॥ २ ॥

बडशङ्खधाम विरहातुरोशं  
श्रीगुण्डिचा-दर्शनेच्छा  
सुललिता सुविदिता ।

बडदाण्ड-धूलिः शिरसि चन्दनः प्रसादे मे मनोवाञ्छा ॥ ३ ॥

नीलचक्र-चारु-ललितं केतनं  
श्रीमन्दिरं सुशासनं  
भजेशं गरुडासनम् ।


चतुर्धामण्डलि-मण्डित-केशवं सगद्गदं रसायनम् ॥ ४ ॥

इति नन्दप्रदीप्तकुमारविरचितं जगन्नाथगीतामृतं सम्पूर्णम् ।


Composed, encoded, and proofread by

Dr. Pradipta Kumar Nanda, Kendrapara, Orisa pknanda65 at gmail.com

---

——  
*Shri Jagannatha Gitamritam*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

